सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-413
11/09/2017

# मुख्यमंत्री के लोक संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पटना, 11 सितम्बर 2017 :– आज 1 अणे मार्ग स्थित लोक सवांद में मुख्यमंत्री के लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन, पुलिस, गृह, निगरानी, पंचायती राज, सहकारिता, नगर विकास एवं आवास, मद्य निषेध निबंधन एवं उत्पाद विभाग, वाणिज्य कर, राजस्व एवं भूमि सुधार, खान एवं भूतत्व, परिवहन तथा आपदा प्रबंधन विभाग से संबंधित मामलों पर 08 लोगों द्वारा मुख्यमंत्री को अपना सुझाव दिया गया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में पटना के डॉ0 एस0एन0 उपाध्याय, मधुबनी के श्री नीतीश रंजन, पटना के श्री रणविजय कुमार, औरंगाबाद के श्री धिरेन्द्र कुमार, दरभंगा के श्री कृष्ण कुमार सुमन यादव, पटना के श्री दिग्विजय कुमार, नालंदा के श्री सीताराम प्रसाद, दरभंगा के मो0 रिजवान, सीतामढ़ी के रंधीर कुमार ने अपने–अपने सुझाव एवं राय मुख्यमंत्री को दिये। प्राप्त सुझाव एवं राय पर संबंधित विभाग के प्रधान सचिव/सचिव ने वस्तु स्थिति को स्पष्ट किया। लोगों से प्राप्त सुझाव एवं राय पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में निबंधन, मद्य निषेध उत्पाद एवं वाण्ज्य कर मंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री श्री राम नारायण मंडल, नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री श्री सुरेश शर्मा, परिवहन मंत्री श्री संतोष कुमार निराला, सहकारिता मंत्री श्री राणा रंधीर सिंह, खान एवं भूतत्व मंत्री श्री बिनोद कुमार सिंह, आपदा प्रबंधन मंत्री श्री दिनेश चन्द्र यादव, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव उपस्थित थे।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम के पश्चात् मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में बाढ़ से बहुत नुकसान हुआ है। राज्य के 19 जलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुयी, जहॉ 187 प्रखण्डों के 2371 पंचायतों के अन्तर्गत एक करोड़ 71 लाख 64 हजार लोग प्रभावित हुये। राज्य सरकार की तरफ से युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चलाये गये। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, लोगों के लिये राहत शिविरों का संचालन किया गया, कम्यूनिटी किचेन की व्यवस्था की गयी, फूड पैकेट्स का एयर ड्रापिंग किया गया, लोगों के बीच फूड पैकेट और सूखा राशन का वितरण किया गया। बाढ़ प्रभावित परिवारों को प्रति परिवार 6 हजार रूपये का नगद अनुदान आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से दिया जा रहा है। अब तक 13 लाख परिवारों को आर0टी0जी0एस0 से अनुदान का संप्रेशन किया जा चुका है। अगले 7 से 8 दिनों के अन्दर बाकी बचे हुये परिवारों को भी अनुदान उपलब्ध करा दिया जायेगा। इसके लिये बैंकों से बातचीत हुयी है। बैंकों के माध्यम से लोगों का खाता खुलवाया जा रहा है। तेजी से काम हो रहा है। अन्य वर्ष की तुलना में इस वर्ष काफी काम हुआ है। बड़े पैमाने पर काम हो रहा है।

उन्होनें कहा कि रिहैब्लिटेशन और रेस्टोरेशन का भी कार्य तेजी से चल रहा है। प्रधानमंत्री जी ने भी 26 अगस्त को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया था साथ ही पुर्णिया में बैठक भी की थी। बैठक में उन्हें बिहार में बाढ़ से हुयी बर्बादी की जानकारी दी गयी थी। हमने कहा था कि इस संबंध में एक मेमोरेंडम तैयार कर भेजेंगे। मेमोरंडम तैयार हो गया है और आज भेजा गया है। उन्होंने कहा कि हमने व्यावहारिक रूप से नियम एवं परम्पराओं के आधार पर केन्द्र सरकार से सिमित राशि की मॉग की है। उन्होंने कहा कि राज्य सकरकार ने आपदा पीड़ितों के बीच राहत वितरण हेतु अपने खजाने से 2451 करोड़ रूपये अतिरिक्त उपलब्ध कराया था। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक नजरिया अपनाते हुये हमने केन्द्र सरकार से 7,636 करोड़ रूपये की आशा प्रकट की है, जो मिलना चाहिये। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में और काम होगा। जिनके मकान को नुकसान पहुॅचा है, उन्हें भी नियमानुसार अनुदान की राशि दी जायेगी। साथ ही फसल क्षति के लिये भी इनपुट सब्सिडी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ में जो बुनियादी ढांचा को नुकसान हुआ है, उसको भी रिस्टोर कर रहे हैं।

गुरूग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल में हुयी छात्र प्रद्युम्न के हत्या मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक जघन्य अपराध है, इस पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिये। पूरी चीजों को मॉनिटर किया जा रहा है। यहॉ के डी0जी0पी0 ने हरियाणा के डी0जी0पी0 तथा गुरूग्राम के पुलिस कमिश्नर से बात की है। हमारे स्थानीय आयुक्त भी सम्पर्क में हैं। अधिकारी परिजनों से मिलने गये थे। मिलकर उन्होंने राज्य की तरफ से संवेदना व्यक्त की है। आज सुबह मेरी बातचीत छात्र प्रद्युम्न की मॉ और चाचा से हुयी है। बातचीत के पश्चात हमने पुनः हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर से चर्चा की। उन्हें पीड़ित परिवार की इच्छा से अवगत कराते हुये कहा कि आप स्वयं परिवार से मिलकर बात करें। मामले में निष्पक्ष और तेजी से जॉच हो। हरियाणा के मुख्यमंत्री भी मामले के प्रति संवेदनशील दिखे। मामले में दोषी को बख्शा नहीं जायेगा। उन्होनें कहा कि हम पूरे तौर से हरियाणा सरकार के सम्पर्क में है। पीड़ित परिवार को न्याय मिले तथा दोषियों को सजा मिले। निजी स्कूल के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी स्कूल निर्धारित मानक के अनुरूप बने हैं कि नहीं तथा मानक के अनुरूप इनका संचालन हो रहा है कि नहीं, को देखा जाना चाहिये। ऐसी घटना मनुष्य को सोचने के लिये बाध्य करती है।

बाढ़ के बाद बीमारी के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बाढ़ के पानी में कमी होती है तो जलजमाव होता है, इससे कई तरह की बीमारी होती है। इसके लिये पानी में डी0डी0टी0 का छिड़काव किया जाता है तथा लोगों को दवाई उपलब्ध करायी जाती है। आपदा विभाग इन सभी चीजों को को–आर्डीनेट कर रहा है। हम एक–एक पहलू की जानकारी लेते हैं, प्रतिदिन का रिपोर्ट आता है।

सृजन घोटाला के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले की सी0बी0आई0 द्वारा जॉच की जा रही है। सी0बी0आई0 की जॉच पर अगर किसी को शक है तो मीडिया में वक्तव्य देने के बजाय हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में जायें। हमारे अधिकार में था जॉच किससे कराया जाय, सो हमने किया। मामले में तत्काल सी0बी0आई0 जॉच कराने की अनुशंसा की। जिसके पास भी कोई जानकारी है, उसको सी0बी0आई0 को दे देना चाहिये या फिर न्यायालय भी जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सृजन घोटाला मामले को 9 अगस्त को पहली बार हमने ही पब्लिक डोमेन में लाया था, तब जाकर लोगों को पता चला था। मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा कि हम कभी मर्यादा का उल्लंघन नहीं करते हैं। हम मर्यादा में रहकर काम करते रहते हैं। भागलपुर में हुये राजद की रैली पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भागलपुर में आत्मघाती नुक्कड़–नाटक था। अगर किन्हीं के पास कोई डॉक्यूमेंट है तो उसे पेश करना चाहिये।

कोशी त्रासदी के समय केन्द्र सरकार से मिली राहत के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कोशी त्रासदी में केन्द्र सरकार से एक हजार दस करोड़ रूपये की अतिरिक्त सहायता मिली थी। यह बुनियादी राहत कार्य के लिये मिला था। बाकी जो राशि की हमने मॉग की थी, वह नहीं मिला था। राज्य सरकार ने विश्व बैंक से कर्ज लेकर राहत एवं बचाव कार्य किया था। नोटबंदी के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नोटबंदी का असर लंबे अवधि में दिखेगा। नोटबंदी से किसके पास कितना पैसा है, इसके बारे में उन्हें समझाना तो होगा ही। नोटबंदी गरीबों को अच्छा लगा था। हमने शुरू से कहा था कि नोटबंदी के साथ बेनामी संपति पर हमला होना चाहिये। बेनामी संपति पर हमला शुरू हो गया है। बेनामी संपति पर जब पूरे देश में हमला होगा तथा बेनामी संपति को जब्त किया जायेगा तो इसका और फायदा होगा। लंबे अंतराल में इसका फायदा दिखता है, इससे अंततोगत्वा काला धन उजागर होगा।

दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ चलाये जाने वाले अभियान के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 अक्टूबर को बापू के जन्म दिवस पर बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त अभियान की शुरूआत करेंगे। सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर में नया सभागार जिसे बापू सभागार का नाम दिया गया है, का उद्घाटन भी होगा। उन्होंने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के अवसर पर हर स्कूल के बच्चों को गॉधी जी के जीवनी के बारे में कथा, कहानी के माध्यम से बतायेंगे। इस कार्यक्रम की शुरूआत 11 अक्टूबर से होगी।

पत्रकार गौरी लंकेश हत्या मामला पर पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना निन्दनीय है। इसकी निष्पक्ष जॉच होनी चाहिये और दोषियों को कानून के कठघरे में खड़ा करना चाहिये।

*******